**अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग**

**टंगाल, काठमाडौं**

मिति: २०८१।०५।३० गते ।

**प्रेस विज्ञप्ति**

**विषय:** सम्माननीय राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेलज्यू समक्ष अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगको चौतीसौं बार्षिक प्रतिवेदन (आर्थिक वर्ष २०८०/८१) पेश गरेको सम्बन्धमा।

* + सम्माननीय राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेलज्यू समक्ष अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगका माननीय प्रमुख आयुक्त प्रेम कुमार राईले आज मिति २०८१ साल भदौं ३० गते नेपालको संविधानको धारा २९४ बमोजिम आयोगको चौतीसौं बार्षिक प्रतिवेदन (आर्थिक वर्ष २०८०/८१) राष्ट्रपतिको कार्यालय, शितलनिवास, महाराजगञ्जमा आयोजित विशेष समारोहकाबीच पेश गर्नुभयो।
  + सम्माननीय राष्ट्रपतिज्यूले आयोगको चौतीसौं बार्षिक प्रतिवेदन ग्रहण गर्नुहुँदै संविधानले परिकल्पना गरेको यस भूमिकालाई निर्वाह गर्ने क्रममा आयोगले भ्रष्टाचार नियन्त्रणका विभिन्न रणनीतिहरु अबलम्बन गर्दै आएको र कार्य सम्पादन गर्दा आम नागरिक तथा राष्ट्रिय हितलाई मध्यनजर गरी सदाचार, निष्पक्षता र निर्भिकताको मूल मन्त्रलाई आत्मसात गरेकोमा खुशी व्यक्त गर्नु भयो।उहाँले सुशासन कायम गर्ने सन्दर्भमा भ्रष्टाचारजन्य कसूरको पहिचान गर्ने, अनुसन्धान तहकिकात र अभियोजन सम्बन्धी कार्यलाई वैज्ञानिक, तथ्यपरक र नतिजामुखी बनाउने कार्य बढी महत्वपूर्ण रहेको बताउनु हुँदै यसका लागि आयोगको संस्थागत क्षमता विकास र कर्मचारीहरुको व्यावसायिक दक्षता अभिवृद्धि गर्दै आयोगका काम कारवाहीलाई पारदर्शी र प्रभावकारी बनाउनु अत्यावश्यक रहेको उल्लेख गर्नु भयो।
  + उक्त अवसरमा बोल्नु हुँदै सम्माननीय राष्ट्रपतिज्यूले आयोगले प्रतिवेदनमा उल्लेख गरेका र माननीय प्रमुख आयुक्तले प्रस्तुतीको क्रममा उल्लेख गर्नु भएको भ्रष्टाचार नियन्त्रण सम्बन्धी कामकारवाहीहरु प्रशंसनीय छन् भन्दै आयोगलाई आगामी दिनहरुमा नेपालको संविधान तथा प्रचलित कानून बमोजिमको जिम्मेवारी पूरा गर्नमा थप सफलता मिलोस भन्ने शुभकामना व्यक्त गर्नु भयो।
  + आयोगले आफ्नो संवैधानिक र कानूनी दायित्व पूरा गर्ने सन्दर्भमा आफूले गरेका काम कारवाहीहरु समेटेर पेश गरेको यो प्रतिवेदनमा उठाइएका महत्वपूर्ण विषयहरुलाई नेपाल सरकारले प्रभावकारी रुपमा सम्बोधन गर्नेछ भन्ने आफू विश्वास्त रहेको बताउनु भयो।
  + आयोगको चौतीसौं बार्षिक प्रतिवेदन पेश गर्नुहुँदै आयोगका माननीय प्रमुख आयुक्त प्रेम कुमार राईले आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा आयोगले सम्पादन गरेका प्रमुख काम कारबाहीहरुको संक्षिप्त रुपमा विवरण प्रस्तुत गर्दै नेपालको संविधानले व्यवस्था गरे बमोजिम अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगले **सार्वजनिक पद धारण गरेको व्यक्तिले भ्रष्टाचार गरी अख्तियारको दुरुपयोग गरेको सम्बन्धमा अनुसन्धान गर्न तथा अनुसन्धानबाट भ्रष्टाचार मानिने कुनै काम गरेको देखिएमा त्यस्तो व्यक्ति र सो अपराधमा संलग्न अन्य व्यक्तिउपर कानुनबमोजिम अधिकार प्राप्त अदालतमा मुद्दा दायर गर्ने** कार्य गर्दै आइरहेको बताउनु भयो।
  + आयोगले आफ्नो कार्यालय टंगाल, काठमाडौं एवं आयोग मातहतका कार्यालयहरू इटहरी, बर्दिबास, हेटौंडा, पोखरा, बुटवल, सुर्खेत र कन्चनपुरमा तथा बुटवलको सम्पर्क कार्यालय नेपालगञ्जबाट कार्यसम्पादन गर्दै आइरहेको र हाल आयोगमा कुल 990 कर्मचारीको दरबन्दी रहेको उल्लेख गर्दै आयोगबाट ३३ वटा जिल्लाका प्रमुख जिल्ला अधिकारीहरूलाई अनुसन्धानसम्बन्धी अधिकार समेत प्रत्यायोजन गरिएको कुरा बताउनुभयो।
  + आयोगले यस अवधिमा भ्रष्टाचारसम्बन्धी उजुरीको प्रारम्भिक छानबिन एवं विस्तृत अनुसन्धान गर्ने, भ्रष्टाचार देखिएका उजुरीउपर सम्मानित विशेष अदालतमा आरोप-पत्र दायर गर्ने तथा सम्मानित विशेष अदालतबाट भएको फैसला उपर चित्त नबुझेमा सर्वोच्च अदालतमा पुनरावेदन गर्ने कार्य सम्पादन भएको उल्लेख गर्दै उजुरीहरूको अनुसन्धानको क्रममा आवश्यकता अनुसार सम्बन्धित निकायमा सुझाव लेखी पठाउने, मुल्तबीमा राख्‍ने र तथ्य प्रमाण नपुगेका उजुरी तामेलीमा राख्‍ने काम भएको र भ्रष्टाचार नियन्त्रण र सदाचार संस्कृति प्रवर्द्धनका लागि विभिन्न निरोधात्मक, प्रवर्द्धनात्मक र संस्थागत सुदृढीकरणका कार्यहरू समेत यसै अवधिमा सम्पन्न भएको वताउनु भयो।
  + आयोगलाई प्राप्त संवैधानिक जिम्मेवारीका साथै भ्रष्टाचार नियन्त्रण गरी सुशासन प्रवर्द्धन गर्न र राज्यको नीति निर्भिकता, निष्पक्षता र तटस्थताका साथ कार्यान्वयन गर्न आयोग प्रतिवद्ध रहेको उल्लेख गर्नु भयो।
  + मुलुकमा सुशासनको लागि भ्रष्टाचार नियन्त्रण गर्ने कार्यमा सरकारका तीनै तह एवं निकायहरू, गैरसरकारी र निजी क्षेत्र, सञ्चारकर्मी, नागरिक समाज, अन्तर्राष्ट्रिय समुदाय एवं आम नागरिकबाट प्राप्त साथ, सहयोग र ऐक्यवद्धताका लागि आयोग परिवारको तर्फबाट धन्यबाद दिँदै आगामी दिनमा समेत सबैको सहयोग र सहकार्यको निरन्तरताको आयोगले अपेक्षा गरेको छ भन्नु भयो।
  + आगामी दिनमा आयोगलाई अझ बढी सक्रिय, सक्षम र कर्तव्यनिष्ठताका साथ अगाडि बढ्न मार्ग निर्देशन र सुझावको समेत अपेक्षा गर्दै आयोगको वार्षिक प्रतिवेदन पेस गर्ने कार्यक्रमका लागि समय उपलब्ध गराई दिनु भएकोमा सम्माननीय राष्ट्रपतिज्यूसमक्ष हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्नु भयो।
  + आयोगको चौतीसौं बार्षिक प्रतिवेदन पेश गर्ने समारोहमा आयोगका आयुक्तहरु माननीय किशोर कुमार सिलवाल, माननीय जय बहादुर चन्द, माननीय डा. हरि पौडेल, माननीय डा. सुमित्रा श्रेष्ठ अमात्य, आयोगका सचिव, महाशाखा प्रमुख र कर्मचारीहरुका साथै राष्ट्रपतिको कार्यालयका सचिव तथा कर्मचारीहरुको समेत उपस्थिति रहेको थियो।

**प्रतिवेदनमा उल्लिखित मूल बिषयहरु देहायबमोजिम रहेका छन्:**

1. आर्थिक वर्ष २०८०/0८१ मा आयोगमा विभिन्न माध्यमबाट प्राप्त भएका २६,९१८ उजुरीहरू र अघिल्लो आर्थिक वर्षबाट जिम्मेवारी सरेर आएका 9,268 उजुरीहरू समेत गरेर कारबाही गर्नुपर्ने जम्मा उजुरीको संख्या 36,186 रहेकोमा ७६.५९ प्रतिशत उजुरी (२७,७१४) स्क्रिनिङ तथा प्रारम्भिक छानबिनबाट फर्छ्यौट भएको छ।
2. प्राप्त उजुरीमध्ये सबैभन्दा बढी संङ्‍घीय मामिला (स्थानीय तह समेत) सँग सम्बन्धित 3८.९१ प्रतिशत रहेका छन्। त्यसपश्चात, क्रमश: शिक्षा (स्थानीय तहसमेत)१५.७९ प्रतिशत, गैरकानुनी सम्पत्ती आर्जन ६.९८ प्रतिशत, भूमि प्रशासन ६.४9 प्रतिशत, नक्कली शैक्षिक प्रमाण-पत्र ४.७१ प्रतिशत, वन तथा वातावरण ३.८२ प्रतिशत, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या 3.६८ प्रतिशत, भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात ३.६१ प्रतिशत, गृह प्रशासन 3.५२ प्रतिशत, अर्थ २.१३ प्रतिशत, **ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ २.१० प्रतिशत खानेपानी तथा शहरी विकास १.६१ प्रतिशत र अन्य निकाय/क्षेत्रसँग सम्बन्धित उजुरीहरू ६.६५ प्रतिशत रहेका छन्।**
3. यस अवधिका उजुरीमध्ये २७,७१४ वटा उजुरी अर्थात् ७६.५९ प्रतिशत स्क्रिनिङ र प्रारम्भिक छानबिनबाट फर्छ्यौट भएका छन्। जसमध्ये ९३२ वटा उजुरीउपर विस्तृत अनुसन्धान गरिएको, १३,५०० उजुरी तामेली गरिएको, ४९६ उजुरीउपर सुझाव दिई तामेली गरिएको र १२,७८६ उजुरीउपर कानुनबमोजिम अन्य आवश्यक कारबाहीको लागि लेखी पठाइएको छ। प्रारम्भिक छानबिनको क्रममा रहेका ८,४७२ उजुरी आर्थिक वर्ष 20८१/८२ मा जिम्मेवारी सरेर आएका छन्।
4. आर्थिक वर्ष 20८०/८१ मा १०५० वटा फाइलहरूको विस्तृत अनुसन्धान सम्पन्‍न भइ आयोग समक्ष पेश भएकोमा कुल ८6 वटा बैंठक बसी २०१ वटा मुद्दा दायर गर्ने निर्णय सहित विभिन्‍न विषयहरूमा जम्मा १,२94 वटा निर्णयहरू भएका छन।
5. आर्थिक वर्ष 20८०/८१ माविशेष अदालतमा दर्ता भएका २०१ वटा आरोपपत्रमध्ये गैरकानुनी लाभ हानिसँग सम्बन्धित ५८ वटा, घुस/रिसवतसँग सम्बन्धित ४८ वटा, झुटा/नक्कली शैक्षिक योग्यताको नक्कली प्रमाणपत्रसम्बन्धी ३४ वटा, सार्वजनिक सम्पत्तिको हानि नोक्सानीसँग सम्बन्धित ३३ वटा, राजस्व चुहावटसम्बन्धी १३ वटा, गैरकानुनी सम्पत्ति आर्जनसम्बन्धी ११ वटा, र विविध विषयका ४ वटा रहेका छन। उल्लिखित आरोपपत्रहरूबाट कुल १५४५ जनालाई प्रतिवादी बनाई रु. ८ अर्ब ४० करोड ६ लाख ४९ हजार ४ सय ७ रुपैयाँ बिगो मागदाबी लिइएको छ।

**मुद्दा दायर,** प्रतिवादी र बिगो मागदाबी सम्वन्धी विवरण**:**

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.सं. | विषय | मुद्दा (सङ्‍ख्या) | प्रतिवादी (सङ्‍ख्या) | | | | कुल बिगो मागदाबी (रु.) |
| महिला | पुरुष | संस्था | जम्मा |
| **१.** | **गैरकानुनी लाभ वा हानि** | **५८** | 318 | 696 | 15 | 1029 | 3,97,98,84,008**/**- |
| **२.** | **घुस (रिसवत)** | **४८** | 5 | 79 | - | 84 | 1,91,60,500**/-** |
| **३.** | **झुटा/नक्कली शैक्षिक प्रमाणपत्र** | **३४** | 10 | 24 | - | 34 | - |
| **४.** | **सार्वजनिक सम्पत्ति हानि नोक्सानी** | **३३** | 27 | 210 | 6 | 243 | 2,12,58,91,916**/-** |
| **५.** | **राजस्व चुहावट/हिनामिना** | **१३** | 6 | 83 | 27 | 116 | 1,14,46,74,438**/-** |
| **६.** | **गैरकानुनी सम्पत्ति आर्जन** | **११** | 13 | 15 | - | 28 | 1,11,49,06,539**/-** |
| **७.** | **विविध** | 4 | 1 | 10 | - | 11 | 1,61,32,004**/-** |
| **जम्मा** | | २०१ | ३८० | १११७ | ४८ | १५४५ | 8,40,06,49,407**/-** |

माथि उल्लेखित कूल १५४५ प्रतिवादीहरुमध्ये राष्ट्रसेवक कर्मचारी ५२०, निर्वाचित जनप्रतिनिधिहरु १०६, मनोनित पदाधिकारी १४८ जना, राजनितिक नियुक्ति ३२, लेखापढी व्यवसायी, विचौलिया, संघ संस्था र अन्य व्यक्तिहरु ७३९ रहेका छन।राष्ट्रसेवक कर्मचारी ५२० जनामध्ये विशिष्ट श्रेणीका ६, सहसचिव वा सो सरह ३० उपसचिव/सि.डि.इ वा सो सरह ८२ र शाखा अधिकृत/इन्जिनीयर वा सो सरह २०२ र सहायकस्तरका २०० जना रहेका छन।

बढी उजुरी परेका १० सङ्‌घीय मन्त्रालयको विवरण

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **मन्त्रालयको नाम** | **गत आ.व.बाट जिम्मेवारी सरेको उजुरी** | **आ.व. 2080/81 मा दर्ता भएका उजुरी** | **उजुरी सङ्‍ख्या** | **प्रतिशत** |
| 1. | भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण | 541 | 1748 | 2289 | 18.13 |
| 2. | गृह | 95 | 1161 | 1256 | 9.95 |
| 3. | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | 169 | 1054 | 1223 | 9.69 |
| 4. | अर्थ | 103 | 651 | 754 | 5.97 |
| 5. | स्वास्थ्य तथा जनसङ्‍ख्या | 134 | 602 | 736 | 5.83 |
| 6. | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | 173 | 333 | 506 | 4.01 |
| 7. | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्‍डयन | 145 | 323 | 468 | 3.71 |
| 8. | उर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ | 160 | 282 | 442 | 3.50 |
| 9. | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | 94 | 327 | 421 | 3.34 |
| 10. | उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति | 60 | 220 | 280 | 2.22 |
| 11. | अन्य मन्त्रालय तथा निकाय | 1,557 | 2691 | 4248 | 33.65 |
| **जम्मा** | | **3,231** | **9,392** | **12,623** | **100** |

बढी उजुरी परेका १० प्रदेश मन्त्रालयको विवरण

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **मन्त्रालयको नाम** | **प्रदेशको नाम** | **गत आ.व.बाट जिम्मेवारी सरेका** | **आ.व. २०८०।८१ मा दर्ता भएका** | **जम्मा सङ्‍ख्या** | **प्रतिशत** |
| 1. | **उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय (वन तथा वातावरण मात्र)** | **सुदूरपश्चिम** | 49 | 115 | 164 | 3.75 |
| 2. | **उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय (वन तथा वातावरण मात्र)** | **कर्णाली** | 47 | 76 | 123 | 2.81 |
| 3. | **उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय (वन तथा वातावरण मात्र)** | **बागमती** | 21 | 96 | 117 | 2.67 |
| 4. | **उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय (वन तथा वातावरण मात्र)** | **कोसी** | 26 | 70 | 96 | 2.19 |
| 5. | **भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय (भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मात्र)** | **कर्णाली** | 33 | 62 | 95 | 2.17 |
| 6. | **सामाजिक विकास मन्त्रालय (स्वास्थ्य मात्र)** | **लुम्बिनी** | 3 | 89 | 92 | 2.10 |
| 7. | **भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय (खानेपानी मात्र)** | **कर्णाली** | 26 | 64 | 90 | 2.06 |
| 8. | **भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय (भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मात्र)** | **मधेस** | 22 | 65 | 87 | 1.99 |
| 9. | **भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय (भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मात्र)** | **बागमती** | 26 | 54 | 80 | 1.83 |
| 10. | **उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय (वन वातावरण मात्र)** | **बागमती** | 19 | 60 | 79 | 1.80 |
| 11. | **अन्य मन्त्रालय तथा निकाय** | | 847 | 2509 | 3356 | 76.64 |
| **जम्मा** | |  | **1,119** | **3,260** | **4,379** | **100** |

1. आयोगबाट विगत वर्षहरूमा विशेष अदालतमा दायर भएका आरोपपत्रहरूमध्ये आर्थिक वर्ष २०८०/0८१ मा २३३ वटा मुद्दाहरूको फैसला प्राप्त भएको छ।जसमध्ये ४५ पूर्ण र १०७ आंशिक गरी 15२ मुद्दामा कसुर स्थापित भएको छ।समग्रमा विशेष अदालतबाट फैसला भएका भ्रष्टाचारसम्बन्धी मुद्दामा ६५.२४ प्रतिशत कसूर ठहर भएको छ।
2. विशेष अदालतबाट भएका फैसलाहरूमध्ये आर्थिक वर्ष 20८०/८१ मा ९२ वटा फैसलाउपर सर्वोच्च अदालतमा पुनरावेदन गरिएको छ।
3. आयोगमा परेका उजुरीहरू र अनुसन्धान पश्चात आयोगले दायर गरेका आरोपपत्रबाट घुस/रिसवत लिने दिने, सार्वजनिक सम्पत्तिको हिनामिना, हानि नोक्सानी वा दुरुपयोग गर्ने, गैरकानुनीरूपमा सरकारी/ सार्वजनिक जग्गा व्यक्ति विशेषको नाममा दर्ता गर्ने, सार्वजनिक खरिद तथा निर्माणका काममा बदनियत राखी व्यक्तिगत लाभ लिने तथा नेपाल सरकारलाई हानि पुर्‍याउने, गैरकानूनीरूपमा सवारीचालक अनुमतिपत्र जारी गर्ने, गलत लिखत वा प्रतिवेदन बनाउने, परीक्षाको परिणाम फेरबदल गर्ने, गैरकानुनीरूपमा सम्पत्ति आर्जन गर्ने, राजस्व चुहावट/हिनामिना गर्नेजस्ता भ्रष्टाचारजन्य कार्यहरू भएको देखिएको छ।
4. आयोगले उपचारात्मक कार्यहरूका अतिरिक्त भ्रष्टाचार हुनै नदिन निरोधात्मक र भ्रष्टाचार विरूद्ध जागरण अभिवृद्धि गर्ने प्रवर्द्धनात्मक कार्यहरू सञ्चालन गर्ने गरेको छ। निरोधात्मक कार्यतर्फ, सरकारी कार्यालयहरूको कार्य सरलीकरण, सूचना प्रविधिको प्रयोग गरी अभिलेख व्यवस्थापन एवं सेवा प्रवाहमा सुधार गर्ने जस्ता सुझावहरू लेखी पठाइएको एवं आयोगमा सूचना प्रविधियुक्त कार्य वातावरण सिर्जना गर्ने र कार्यविधि परिष्कृत गर्ने कार्यहरू भएको छ।
5. यस अबधिमा भ्रष्टाचार नियन्त्रण तथा प्रवर्द्धन सम्वन्धमा आयोगबाट ५३ जिल्लाहरुमा सञ्चालन गरिएको ११८ वटा सामुदायिक शिक्षा कार्यक्रमहरूमा विद्यार्थी तथा शिक्षकहरू गरी १०,९४३ जनाको सहभागिता रहेको, त्यसैगरी भ्रष्टाचार नियन्त्रण तथा प्रवर्द्धन सम्वन्धमा ७ वटा प्रदेशहरुमा सञ्चालन गरिएको अन्तरक्रिया कार्यक्रमा १,७६७ जना निर्वाचित/मनोनित पदाधिकारी तथा कर्मचारीहरुको सहभागिता रहेको र जिल्ला एवं पालिकास्तरमा सञ्चालित अन्तरक्रिया कार्यक्रममा २५,४३३ जनाको सहभागिता रहेको थियो।
6. साथै, आयोग र नेपाल टेलिभिजनको सहकार्यमा “सुशासन सवाल” कार्यक्रमको २७ भाग पाक्षिकरूपमा नेपाल टेलिभिजनबाट प्रसारण भएको छ। प्रस्तुत कार्यक्रमबाट भ्रष्टाचार नियन्त्रण र सुशासन प्रवर्द्धनका सम्बन्धमा नागरिकको भूमिका र कर्तव्यका साथै आयोगबाट सम्पादन भएका कामकारबाहीका सम्बन्धमा सूचना, जानकारी तथा सन्देश प्रवाह गरिएको छ।
7. आयोगको चौथो संस्थागत रणनीतिक योजना कार्यान्वयन भई आर्थिक वर्ष (२०८१/८२-२०८५/८६) को लागि पाँचौं रणनीतिक योजना तर्जुमाको क्रममा रहेको छ।आगामी पाँच वर्ष अवधिको उक्त रणनितिक योजनामा भ्रष्टाचारका नयाँ आयाम र प्रवृतिलाई ध्यानमा राखेर आयोगको अनुसन्धान र अभियोजन क्षमता अभिवृद्धि गर्ने र संस्थागत क्षमता विकास गर्ने जस्ता विषयहरु प्रमुख रणनीतिको रुपमा रहेका छन्।
8. **आयोगबाट सुझाव कार्यान्वयन सम्वन्धमा:**

* विदेशको स्थायी आवासीय अनुमतिपत्र लिएको व्यक्ति संविधान बमोजिम निर्वाचन, मनोनयन वा नियुक्तिको लागि योग्य नहुने संवैधानिक व्यवस्था बमोजिम कानूनी व्यवस्था गर्ने गराउने व्यवस्था गर्न प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय मार्फत सबै निकायमा निर्देशन हुन भनी सुझावको रुपमा लेखी पठाइएको।
* राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्रद्वारा पेश भएको आर्थिक वर्ष 207९/0८० को सम्पत्ति विवरण अनुगमन प्रतिवेदन बमोजिम समयमा सम्पत्ति विवरण नबुझाउने कर्मचारीहरुलाई रु. ५ हजार रुपैयाँ जरिवाना गरी ३० दिनभित्र तोकिएको निकायमा सम्पत्ति विवरण बुझाउन लगाउने भनी लेखी पठाएको।
* मुलुकको सीमित स्रोत र साधनको अधिकतम परिचालन गरी उच्च नतिजा हासिल गर्न योजना छनौट, प्राथमिकीकरण तथा वर्गीकरण र बजेट तर्जुमाको कार्य वस्तुनिष्ठ, वैज्ञानिक र यथार्थपरक बनाउन तथा बजेट कार्यान्वयनको क्रममा गरिने सार्वजनिक खरिदको कार्य पारदर्शी, प्रतिष्पर्धी र गुणस्तरीय बनाउन प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्‌को कार्यालय, अर्थ मन्त्रालय, संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, राष्ट्रिय योजना आयोग, ७ वटै प्रदेशका मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्‌को कार्यालय,आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय र प्रदेश नीति तथा योजना आयोग र ७५३ वटै स्थानीय तहहरुलाई **२२ बुँदे** सुझाव दिइएको।
* अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग र नेपाल सरकारका सचिव तथा विभागीय प्रमुखहरू बिच भएको अन्तरक्रिया कार्यक्रमपश्चात् आयोगले **४६ बुँदे** सुझाव कार्यान्वयनको लागि लेखी पठाएको।
* अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग र नेपाल सरकारका नियामक निकायहरू तथा सार्वजनिक संस्थानहरू बिच सम्पन्न अन्तरक्रिया कार्यक्रमपश्चात आयोगबाट **४८ बुँदे** सुझावहरु कार्यान्वयनको लागि लेखी पठाएको।
* सञ्चार तथा सूचना प्रविधिमा निहित प्रविधिको क्लिष्टता (Complexity of Technology) र सार्वजनिक क्षेत्रमा रहेको यस प्रतिको अनभिज्ञताको अनुचित उपयोग गरी गम्भीर प्रकृतिका भ्रष्टाचार जन्य कार्य हुन सक्ने देखिएकोले आयोगमा प्राप्त उजुरीहरूको छानविन एवं अनुसन्धानको सिलसिलामा पहिल्याईएका सवालहरू तथा प्राप्त तथ्यहरू समेतको विश्लेषणको आधारमा **१० बुँदे** सुझाबहरू कार्यान्वयनका लागि प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय मार्फत सबै सङ्घीय मन्त्रालय, निकाय, कार्यालयहरू, प्रदेश मन्त्रालय/कार्यालयहरू तथा स्थानीय तहहरूमा लेखी पठाउन भनी आयोगबाट निर्णय भएको।

प्रवक्ता  
नरहरि घिमिरे